BA Part-II

History Notes

By- Dr. Durga Bhawani

B.A Part II History (Hons) IVth Paper.

Q. लेनिन के सुधारों का वर्णन करें।

अथवा

Q. लेनिन की उपलब्धियों का वर्णन करें।

Ans:- March 1917 ई० रूसी क्रांति के बाद 7 Dec. 1917 ई० को पुनः वहाँ एक क्रांति हुई जिसके द्वारा शासन की बागडोर लेनिन के हाथों में आ गई। लेनिन बोल्शेविकों का नेता था। शासन की बागडोर सम्भालने के बाद उसने रूस में कई सुधार किए जो निम्नलिखित है:—

(1) **जमीन तथा कारखानों का राष्ट्रीयकरण** — बोल्शेविकों ने जनता, सेना और मजदूर को खुशहाल करने के लिए ही क्रांति की थी। उनका मुख्य नारा था — शांति, जमीन तथा रोटी। लेनिन ने सत्ता संभालते ही जर्मनी के साथ ब्रेस्ट लिटोवस्क की संधि कर रूस को मुक्ति दिलाई। इसके बाद उसने भूख मिटाने के उद्देश्य से जमीन पर से व्यक्तिगत अधिकार समाप्त कर उसका राष्ट्रीयकरण कर दिया। बड़े-बड़े कारखानों का राष्ट्रीयकरण कर रेलवे, बैंक, खान तथा अन्य उद्योग-धंधे सरकार ने अपने हाथ में ले लिया। बिना मुआवजा दिए ही चर्च की सम्पत्ति ले ली। जार द्वारा लिए गए देशी अथवा विदेशी ऋणों को चुकाने से इन्कार कर दिया। इस प्रकार उसने भूख की समस्या को हल करने का प्रयास किया।

(2) **गृह युद्ध का अंत** — लेनिन ने गृह युद्ध का अंत करने के लिए देश के अन्दर विद्रोहों को क्रूरता पूर्वक कुचला। इसे कुचलने के लिए चेका नामक पुलिस संगठन कायम किया गया। 1918 ई० से 1922 ई० के बीच लगभग तेरह हजार लोगों को फाँसी पर लटकाया गया। यह लाल आतंक के नाम से जाना जाता है।

(3) **नई आर्थिक नीति** — सरकार की आर्थिक योजनाएँ विफल होता देख लेनिन ने एक नई

आर्थिक नीति का सहारा लिया। इसके अनुसार पूंजीपतियों की मदद से सरकार चलाने का निर्णय लिया गया। लेनिन का कहना था कि दो कदम आगे बढ़ने के लिए एक कदम पीछे हटना जरूरी है। अतः साम्यवाद स्थापित करने के लिए पूंजीवादी व्यवस्था की ओर लौटने का निश्चय किया गया। इस नीति के अनुसार कृषकों को खुले बाजार में अनाज बेचने की छूट मिल गई और अनाज के बदले सरकार कर लेने लगी फलतः कृषि में पैदावार काफी बढ़ गई। उद्योग के क्षेत्र में छोटे-छोटे उद्योग पुनः पूंजीपतियों को सुपुर्द कर दिए गए। विदेशी पूंजीपतियों को भी रूस के औद्योगिक विकास में पूंजी लगाने की इजाजत दी गई। फलतः औद्योगिक उत्पादन में भी काफी वृद्धि हुई। इस प्रकार रूस की काफी आर्थिक प्रगति हुई।

(4) नया संविधान — नए संविधान के द्वारा सर्वहारा वर्ग का अधिनायकत्व कायम किया गया। रूस को 'सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक संघ' कहा गया तथा मास्को को नई राजधानी बनायी गई। राष्ट्रीय ध्वज को हँसुआ तथा हथौड़े से सुशोभित की गई।

(5) श्रम की महत्ता स्थापित — काम की महत्ता स्थापित करते हुए प्रत्येक आदमी के लिए काम आवश्यक कर दिया गया। संविधान में यह साफ कहा गया था कि काम नहीं करने वालों को भोजन का अधिकार नहीं होगा। शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए भोजन, वस्त्र की व्यवस्था सरकार की ओर से की गई साथ ही भीख माँगने पर पाबंदी लगा दी गई।

(6) वयस्क मताधिकार — साधारणतया वयस्क मताधिकार प्रदान किया गया था, लेकिन काम नहीं करने वालों को मताधिकार से वंचित

रखा गया था। महिलाओं को छोड़ कर 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र वालों को मताधिकार प्रदान किया गया।

(7) अनिवार्य सैनिक शिक्षा — प्रत्येक नागरिक को सैनिक शिक्षा अनिवार्य कर दिया गया उन्हें एक निश्चित अवधि तक सैनिक सेवा देना अनिवार्य था और उन्हें किसी भी समय बुलाया जा सकता था।

(8) समानता का सिद्धांत — सोवियत संघ में निवास करने वाली सभी जातियों एवं सभी वर्गों को समान सुविधाएँ प्रदान की गई तथा किसी भी क्षेत्र में भेद-भाव की नीति नहीं अपनाई गयी। प्रत्येक नागरिकों के लिए समानता की नीति के आधार पर नियुक्ति एवं पदोन्नति में योग्यता को आधार बनाया गया।

(9) राष्ट्रीयता को प्रोत्साहन — सरकार द्वारा राष्ट्रीयता के सिद्धांत को प्रोत्साहन दिया गया। प्राचीन साम्राज्य के जिन प्रदेशों में रूसी लोग निवास करते थे उन्हें स्वतंत्र रूप से अपने राज्य स्थापित करने का अधिकार दिया गया और इसी आधार पर फिनलैण्ड, स्टेविया, एस्थोनिया तथा लिथोआनिया में स्वतंत्र राज्य की स्थापना की गई।

(10) शिक्षा में सुधार — लेनिन ने शिक्षा पर से चर्च का अधिकार समाप्त कर शिक्षा का राष्ट्रीयकरण कर उसे चर्च से अलग कर दिया आरंभिक शिक्षा निःशुल्क कर दी गई। उच्च शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए छात्रवृत्तियों की व्यवस्था कर दी गई इससे शिक्षा के क्षेत्र में काफी विकास हुआ

(11) चर्च की उपेक्षा — लेनिन चर्च से घृणा करता था और उसे प्रगति के मार्ग में रोड़ा समझता था अतः उसने यह घोषणा की —

कि पोप एवं चर्च का अधिकार केवल चर्च की भूमि तक ही सीमित है तथा राज्य पर उसका कोई अधिकार नहीं है। उसने चर्च की ~~संपत्ति~~ सम्पत्ति जब्त कर उसपर राज्य का नियंत्रण कायम किया और रूसी जनता को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान की गई।

(12) वैज्ञानिक उन्नति — विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति के लिए सरकार ने विज्ञान एक वाणिज्य की शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को विदेश भेजा। कृषि एवं उद्योग में वैज्ञानि साधनों का प्रयोग किया जाने लगा और नित नई वैज्ञानिक प्रणालियाँ अपनाई जाने लगीं।

(13) नारी जागरण — लेनिन नारी स्वतंत्रता का समर्थक था। अतः उसने स्त्रियों को जिन्हें पुरुषों की दासता में रहना पड़ता था उन्हें सभी अधिकार दिए। अब स्त्रियाँ शिक्षा भी ग्रहण कर सकती थी।

(14) ~~यात~~ यातायात के साधनों में विकास — बोल्शेविक सरकार ने ~~कई~~ सड़कों, रेलों आदि का निर्माण करवाया, डाक-तार व्यवस्था में भी उचित सुधार किए गए तथा नए-नए साधनों तार, टेलीफोन आदि का विकास किया। अब यातायात में सुधार के कारण उद्योग एवं व्यापार में भी काफी उन्नति हुई और देश की अर्थ व्यवस्था में भी सुधार हुआ।

निष्कर्ष तौर पर कह सकते हैं कि लेनिन ने अपने काल में अतिमहत्वपूर्ण सुधार किए। उसके कारण देश का काफी विकास हुआ। आज भी उसके द्वारा किए गए कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता।

— X —